(c) Available data about distribution of deposits and advances of scheduled commercial banks during the last 3 years are given below:—

(Amt. Rs. in crores)

Population Group	As on the last Friday of December					
	1975		1976		1977	
	Deposits	Advances	Deposits	Advances	Deposits	Advances
Rural	104	92	133	129	166	140
Others . . .	567	579	744	730	952	793

राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से उपभोक्ताओं के सोना बेचा जाना

800. **विजयकुमार मलहोत्रा** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से सीध उपभोक्ताओं को सोना बेचने के लिये कोई योजना बनाने का है, और

(ख) क्या सरकार एक परिवार के पास सोने की अधिकतम सीमा को भी कम करने पर विचार कर रही है ?

वित्त मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) तथा (ख) : फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव योजना सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की है जो स्वर्ण नीति के सभी पहलुओं की समीक्षा करेगी और इस संबंध में सरकार को रिपोर्ट देगी । समिति इन सुझावों की जांच करेगी ।

विदेशी ऋण

801. **श्री एन्थू साहू** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विभिन्न देशों का भारत पर कुल कितना ऋण है, और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान, वर्षवार कितने मूलधन और कितने ब्याज का भुगतान किया गया है ?

वित्त मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) 31 मार्च, 1978 को, भारत का विदेशी बकाया ऋण, वर्तमान दरों के आधार पर 11661.33 करोड़ रुपये था ।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान मूलधन और ब्याज की जो रकम अदा की गई है उसका ब्यौरा इस प्रकार है :—

(करोड़ रु०)

	ब्याज	मूलधन	जोड़
1975–76	224	463	687
1976–77	248	501	755
1977–78	260	561	821

Trade between India and Pakistan

802. SHRI CHATURBHUJ: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that trade between India and Pakistan is carried on only through the canalising agencies and not by private sector;